SET-2

Series BVM/C

कोड नं.
Code No. **2/1/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं । प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं – क, ख, ग ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर क्रमशः लिखें ।*

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

खण्ड क

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×4=4*

प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता
ज़रूर दिखाई देती होंगी नसीहतें
नुकीले पत्थरों-सी
दुनिया भर के करोड़ों पिताओं की लंबी कतार में
पता नहीं कौन-सा नंबर है मेरा
पर बच्चों के फूलों वाले बग़ीचे की दुनिया में
तुम अव्वल हो पहली क़तार में मेरे लिए
मुझे माफ़ करना मैं अपनी मूर्खता और प्रेम में समझता था
मेरी छाया के तले ही सुरक्षित रंग-बिरंगी दुनिया होगी तुम्हारी
अब जब तुम सचमुच की दुनिया में निकल गई हो
मैं ख़ुश हूँ सोचकर
कि मेरी भाषा के अहाते से परे है तुम्हारी परछाई ।

(क) टिप्पणी कीजिए : "प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता"

(ख) पिता किस बात के लिए क्षमा माँग रहा है ?

(ग) 'नसीहत' किसे कहते हैं ? उन्हें पत्थरों-सी क्यों कहा ?

(घ) आशय समझाइए : "मेरी भाषा के अहाते से परे है तुम्हारी परछाई ।"

अथवा

जहाँ विपुल विश्व की माया,
विनाशशील नर्तन में
क्षण-क्षण बदल रही है अपनी काया
पल-पल जी रही है नवीना बनकर
वायु के चरण भी काँप रहे हैं,
विस्तृत मरु की नीरवता-सी,
लहरियाँ लोट रही हैं धरा पर
घायल विक्षुब्ध सर्पिणियों-सी, ऐसे में
तुम्हारे लिए ऐसी जगह मैं कहाँ से लाऊँ
जहाँ तुम खेल सको निर्भय, हर्षित होकर ।

(क) कविता में संसार को कैसा बताया गया है ?

(ख) क्षण-प्रतिक्षण किसे नवीनता प्राप्त हो रही है ?

(ग) 'वायु के चरण भी काँप रहे हैं' से कवि का क्या आशय है ?

(घ) कवि कैसा स्थान खोज रहा है ?

collegedunia
India's largest Student Review Platform

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *12*

अगर कोई ज़िंदगी में सच न बोलने, सच स्वीकार न करने और सच का साथ न देने की कोई विवशता बताकर अपने हर कार्य, विचार और मकसद को सही साबित करने के लिए छल-छद्म और झूठ का सहारा ले और फिर भी सीना तानकर ख़ुद को सच्चाई का रहनुमा साबित करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हो, तो इससे किसका भला होगा ? वह यही करते रहे । फिर ढलती उम्र में अचानक एक दिन उनको अपनी ज़िंदगी में पीछे मुड़कर झाँकने का विचार आया । जब जागो, तभी सबेरा । अब ये वाकई ईमानदार और समाज के रहनुमा बनकर समाजसेवा कर सकते हैं । जीवन का सबसे बड़ा सच अपने कार्य और कर्तव्य को ईमानदारी से समझना और समाज की बेहतरी के लिए सोचना है । वे सोचने लगे, ढलती उम्र में अब क्यों उनको ज़िंदगी के इस कटु सच को स्वीकार करने के प्रति उत्सुकता बढ़ रही है ?

कुछ दार्शनिकों का कहना है कि आत्म-शक्ति से कमज़ोर, परम्परावादी और निहित स्वार्थ को महत्त्व देना मानवीय सरोकारों से ख़ुद को दूर करने जैसा है । आमतौर पर ज़िंदगी के सच से रूबरू होने और उसे स्वीकार करने का साहस हर किसी के पास नहीं होता । यह चेतना का उदारवादी लक्षण और भाव है, जो कहीं-कहीं और कभी-कभी ही दिखता है । अपने प्रति संवेदनहीन बने रहना मानव जीवन का सबसे बड़ा सच है । समाज को अपनी औकात दिखाने के लिए मुखौटे को ही वास्तविक रूप देने में न जाने कितने छल-छद्मों का सहारा हम लेते हैं । यह ज़िंदगी का सबसे बड़ा यथार्थ है, जो हम स्वयं से और समाज से छिपाने के लिए कृत्रिमता का सहारा लेते रहते हैं ।

(क) 'सीना तानना' मुहावरे का क्या अर्थ है ? अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए । *1*

(ख) 'ढलती उम्र' से क्या तात्पर्य है ? इसका विपरीतार्थक क्या होगा ? *1*

(ग) कोई व्यक्ति प्राय: विवशता किस उद्देश्य से बताता है ? *2*

(घ) किस प्रवृत्ति और आचरण से किसी का भला नहीं हो सकता ? *2*

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए : 'जब जागो, तभी सबेरा' । इस कहावत का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है ? *2*

(च) चेतना का दुर्लभ उदारवादी लक्षण क्या है ? *2*

(छ) जीवन का सबसे बड़ा यथार्थ किसे कहा गया है और क्यों ? *2*

collegedunia
India's largest Student Review Platform

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) भारतीय खेल कबड्डी

(ख) मेरा देश महान

(ग) सन्त कवि तुलसीदास

(घ) मोबाइल फ़ोन की अपरिहार्यता

4. नगर में परिवहन की समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए परिवहन आयुक्त को शिकायती पत्र लिखिए । *5*

अथवा

वर्तमान में शिक्षितों में भी अंधविश्वासों को मानने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए और अपने सुझाव भी दीजिए ।

5. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) एंकर बाइट किसे कहते हैं ?

(ख) भारत में रेडियो का प्रारम्भ कब हुआ ?

(ग) जनसंचार के कोई दो कार्य लिखिए ।

(घ) स्वतंत्र पत्रकार से क्या आशय है ?

(ङ) खोजी पत्रकारिता क्या है ?

6. 'आतंकवाद' विषय पर एक आलेख लिखिए । *3*

अथवा

अपने द्वारा हाल ही में पढ़ी गई किसी पुस्तक की समीक्षा लिखिए ।

7. 'स्वामी विवेकानंद' अथवा 'मेरा बचपन' विषय पर एक फ़ीचर लिखिए । *3*

खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुए चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने ।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(क) प्रात:काल के आकाश की तुलना किससे की गई है ? क्यों ?

(ख) राख से लीपा हुआ चौका क्यों कहा है ?

(ग) भोर के बारे में कवि द्वारा व्यक्त की गई संभावनाओं में आपको कौन-सी सबसे रुचिकर लगी ? क्यों ?

अथवा

मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,
मैं बना-बना कितने जग रोज मिटाता;
जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव,
मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठुकराता !
मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर,
मैं वह खंडहर का भाग लिए फिरता हूँ ।

(क) भाव समझाइए : "मैं बना-बना कितने जग रोज मिटाता"

(ख) पृथ्वी को ठुकराने का क्या कारण है ?

(ग) कवि ने स्वयं को खंडहर का भाग क्यों कहा है ?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए सौंदर्य बोधपरक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×2=4*

आख़िरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर-ज़बरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोंक दिया

(क) कविता का शिल्प-सौंदर्य समझाइए ।

(ख) कविता का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

नहला के छलके-छलके निर्मल जल से
उलझे हुए गेसुओं में कंघी करके
किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को
जब घुटनियों में लेके हैं पिन्हाती कपड़े

(क) कविता के भाव-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ समझाइए ।

collegedunia.com India's largest Student Review Platform

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×2=6*

(क) शरद के आगमन पर प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन होते हैं ? 'पतंग' कविता के आधार पर लिखिए ।

(ख) तुलसीदास के अनुसार राम तथा भरत के भ्रातृभाव की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालिए ।

(घ) रघुपति सहाय 'फिराक' के पठित अंश के आधार पर सिद्ध कीजिए कि उनकी भाषा में हिन्दी, उर्दू और लोकभाषा के प्रयोग ख़ूब मिलते हैं ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

इन बातों को आज पचास से ज़्यादा वर्ष होने को आए पर ज्यों-की-त्यों मन पर दर्ज हैं । कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए क्या करते हैं ? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नामोनिशान नहीं है । अपना स्वार्थ आज एक मात्र लक्ष्य रह गया है । हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम इसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं ? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं पानी झमाझम बरसता है पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है बैल प्यासे के प्यासे रह जाते हैं आख़िर कब बदलेगी यह स्थिति ?

(क) 'कब बदलेगी यह स्थिति' पूछकर लेखक ने किस बात की ओर संकेत किया है ? आपके विचार से यह कैसे बदल सकती है ?

(ख) लेखक को कैसी बातें कचोटती हैं ? क्यों ?

(ग) पानी, गगरी और बैल का प्रतीकार्थ समझाइए ।

अथवा

भारतीय कला और सौंदर्यशास्त्र को कई रसों का पता है उनमें कुछ रसों का किसी कलाकृति में साथ-साथ पाया जाना श्रेयस्कर भी माना गया है जीवन में हर्ष और विषाद आते रहते हैं यह संसार की सारी सांस्कृतिक परम्पराओं को मालूम है लेकिन करुणा का हास्य में बदल जाना एक ऐसे सिद्धांत की माँग करता है जो भारतीय परम्पराओं में नहीं मिलता । रामायण तथा महाभारत में जो हास्य है वह 'दूसरों' पर है और अधिकांशत: परसंताप प्रेरित है । जो करुणा है वह अकसर सद्व्यक्तियों के लिए और कभी-कभार दुष्टों के लिए है ।

(क) भारतीय सौंदर्यशास्त्र में प्रयुक्त रसों की क्या विशेषता है ?

(ख) करुणा के संदर्भ में भारतीय परम्परा में क्या मान्यता है ?

(ग) रामायण और महाभारत में प्राय: कैसा हास्य मिलता है ? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं ?

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) भक्तिन कौन थी ? उसकी तुलना हनुमानजी से क्यों की गई है ? *3*

(ख) पहलवान को राजमहल से कब और क्यों निकाल दिया गया, कारण सहित स्पष्ट कीजिए । *3*

(ग) शिरीष के फूलों की तुलना किससे की गई है और क्यों ? *3*

(घ) 'बाज़ार का जादू' क्या है ? *1*

13. 'जूझ' कहानी के शीर्षक के औचित्य पर विचार कीजिए । यह कथानायक के व्यक्तित्व के बारे में क्या स्पष्ट करता है ? *4*

अथवा

'सिलवर वेडिंग' कहानी के आलोक में लिखिए कि वर्तमान समय में मध्यम वर्गीय परिवारों की संरचना और बदलाव के बारे में यह कहानी किन सत्यों को उजागर करती है ? उदाहरण भी दीजिए ।

14. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×2=8*

(क) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिंधु सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ख) यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है, लेकिन यशोधर बाबू असफल, ऐसा क्यों ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) पाठशाला पहुँचकर लेखक को किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ा ? उसने उनका समाधान किस प्रकार किया ? 'जूझ' कहानी के आधार पर लिखिए ।

(घ) ऐन फ्रैंक की डायरी के आधार पर किशोर वर्ग की मानसिक स्थिति पर अपने विचार लिखिए ।

collegedunia
India's largest Student Review Platform